निदेशक, नगरीय निकाय निदेशालय, लखनऊ की अध्यक्षता में दिनांक 09.04.2018 को "स्वच्छ भारत मिशन (अर्बन)" के अन्तर्गत CSE नई दिल्ली के साथ सम्पन्न बैठक का कार्यवृत्तः–

उपस्थिति :–

1. डा0 ए0के सिंह, निदेशक, नगरीय निकाय निदेशालय, उ0प्र0।
2. श्री विशाल भारद्वाज, अपर निदेशक, नगरीय निकाय निदेशालय, उ0प्र0।
3. डा0 सुरेश कुमार रोहिल्ला, प्रोग्राम डायरेक्टर, सेन्टर फार सांइस एण्ड इन्वायरमेंट, नई दिल्ली।
4. श्री यू0के0 तायल, स्पेशलिस्ट, पी0डी0एमसी0, अमृत।
5. श्री के0के0 अग्रवाल, टीम लीडर, अमृत।
6. श्री पी0के0 अग्रवाल, यू0पी0 जल निगम
7. श्री रविन्द्र बोरा चीफ इन्जीनियर, यू0पी0 जल निगम।
8. श्री राजेश अवस्थी, एस0ई0, यू0पी0 जल निगम।
9. श्री मृत्युंजय, संयुक्त मिशन निदेशक, स्वच्छ भात मिशन'(अर्बन), उ0प्र0।
10. डा0 सीमा सिंह आई.ई.सी. एक्सपर्ट, स्वच्छ भारत मिशन (अर्बन), उ0प्र0।
11. श्री एस0डी0 सिंह, एस0डब्लू0एम0 स्पेशलिस्ट, एस0बी0एम0।
12. श्रीमती अनिता सिंह, अधिशासी अधिकारी, नगरपालिका परिषद रामनगर।
13. श्री शमशेर सिंह, जे.ई., नगरपालिका परिषद चुनार, मिर्जापुर उ0प्र0।
14. श्री सुनील कुमार मिश्रा, अधिशासी अधिकारी, नगरपालिका परिषद गंगाघाट, उन्नाव उ0प्र0।
15. श्री अमित गौतम, जे0ई0 नगर पालिका परिषद बिजनौर।
16. सुश्री रिद्विमा गुप्ता, प्रोग्राम आफिसर, सेन्टर फार सांइस एण्ड इन्वायरमेंट, नई दिल्ली।
17. डा0 सुमीत गौतम, प्रोग्राम मैनेजर, सेन्टर फार सांइस एण्ड इन्वायरमेंट, नई दिल्ली।
18. श्री नवीन कुमार डिप्टी प्रोग्राम मैनेजर, सेन्टर फार सांइस एण्ड इन्वायरमेंट, नई दिल्ली।
19. श्री भितूश लूथरा, डिप्टी प्रोग्राम मैनेजर, सेन्टर फार सांइस एण्ड इन्वायरमेंट, नई दिल्ली।

बैठक में सर्वप्रथम उपस्थित प्रतिभागियों का अपर निदेशक ने स्वागत के उपरान्त निम्न बिन्दुओं पर चर्चा व अनुभव साझा किये गये–

श्री सुरेश रोहिला, कार्यक्रम निदेशक सीएसई द्वारा विगत 18 महीनों में राज्य/निकाय में कार्यरत अधिकारियों के लिए किए गए क्षमता निर्माण कार्यक्रम गतिविधियों का एक अवलोकन प्रस्तुत किया गया। सिटी स्वच्छता योजनाओं, संवेदीकरण कार्यशालाओं, मीडिया ब्रीफिंग कार्यशाला की तैयारी पर तीन चरण प्रशिक्षण, प्रभावी सेप्टेज पर तकनीकी प्रशिक्षण/सेप्टेज प्रबंधन और स्वच्छता सुरक्षा योजना, एक्सपोजर विजिट (राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों) और सिटी स्वच्छता टास्क फोर्स की बैठकें चार लक्षित शहरों अर्थात बिजनौर, रामनगर, गंगाघाट और चुनार में हुईं।

श्री रोहिल्ला ने यह भी बताया कि नगर विकास विभाग उत्तर प्रदेश ने राज्य में स्वच्छता और प्रभावी सेप्टेज प्रबंधन को बढ़ाने के उद्देश्य से तीन साल हेतु एक एम.ओ.यू. CSE ने हस्ताक्षरित किया है।

द्वितीय चरण के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश में अमृत और नमामी गंगे से अच्छादित शहरों का चयन किया जाएगा। सीएसई क्षमता निर्माण और लक्षित हस्तक्षेप के रूप में मई 2018 की शुरुआत में लखनऊ में प्रोग्राम सपोर्ट यूनिट (पीएसयू) की स्थापना करेगा। इसमें शहर स्वच्छता योजना के कार्यान्वयन में कम से कम 1–2 शहर की तकनीकी सहायता शामिल है, विशेष रूप से स्वच्छता के संबंध में एक पायलट फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना करना। नगर विकास विभाग, उ0प्र0 के

परामर्श से सीएसई ने इस विषय पर शहरी स्थानीय निकायों हेतु प्रभावी सेप्टेज और फीकल स्लज़ प्रबंधन पर ड्राफ्ट राज्य स्तरीय दिशानिर्देश तैयार कर प्रस्तुत किया है।

श्री पीके अग्रवाल यूपी जल निगम और श्री यूके तायल पीडीएमसी अमृत ने एकीकृत सेप्टेज और सीवेज प्रबंधन पर मलेशिया और फिलीपींस एक्सपोजर विजिट की शिक्षा साझा की जिसे प्रदेश के निकायों में लागू किया जा सकता है।

श्री विशाल भारद्वाज, अपर निदेशक द्वारा यह बताया गया कि सभी यूएलबी से मौजूदा या आगामी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स पर सीएसपी तैयारी और पायलट एफएसटीपी, अथवा डीडब्ल्यूडब्ल्यूटी या STP के सह–उपचार के लिए लक्षित यूएलबी (बिजनौर, रामनगर, गंगाघाट, चुनार) की भूमि की चिहिन्हीकरण करने हेतु निर्देशित किया, जिससे अपेक्षित प्रगति प्राप्त हो सके।

निम्न बिन्दुओं पर व्यापक विचार–विमर्श के उपरान्त तदानुसार निर्णय लिया गये–

- सीएसई के परामर्श से यूएलबीएस द्वारा पायलट फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट और छोटे पैमाने पर विकेन्द्रीकृत अपशिष्ट जल उपचार (डीडब्लूडब्ल्यूटी) परियोजनाओं के लिए भूमि की पहचान (प्रदर्शन बोर्ड–एफएसटीपी/डीडब्ल्यूडब्ल्यूटी के लिए जमीन) यथाशीघ्र की जाये।
- सीएसटीएफ में प्रस्तुत और अनुमोदित साइटों का विवरण, स्थानीय निकाय निदेशालय को मई 2018 के प्रथम सप्ताह तक भेजा जाये। सीएसई स्थल चयन और स्थल की उपयुक्तता में निकाय की सहायता करेगा।
- निकायों द्वारा सीएसई के सहयोग से बिजनौर एवं चुनार में पायलट एफएसटीपी के लिए डीपीआर जून 2018 के आरंभ में प्रस्तुत की जायेगी।
- मई 2018 के अंत तक निकायों द्वारा स्थानीय निदेशालय को ड्राफ्ट सिटी स्वच्छता योजनाओं को प्रस्तुत करेगा। सीएसई द्वारा उक्त में भी निकाय की सहायता की जायेगी।
- राज्य और निकाय अधिकारियों के लिए प्रभावी सेप्टेज प्रबंधन पर अनुकूलित प्रशिक्षण सीएसई द्वारा विकसित किए जाए।
- सीपीएचईईओ या आईएस कोड के अनुसार सेप्टिक टैंकों के निर्माण के प्रावधानों और प्रवर्तन के संबंध में वर्तमान में लागू उपविधाओं का संशोधन आवश्यक है। श्री यू0पी0 तायल से अनुरोध किया गया कि वे इस संबंध में प्रस्ताव प्रस्तुत करें।
- निकायों द्वारा चिन्हित साइट पर सुरक्षित निपटान और उपचार के लिए सभी एफएस एम्प्टीयर/डी–स्लजर्स को तत्काल पंजीकरण करा कर उसकी रिपोर्ट मई 2018 के अन्त तक निदेशालय को उपलब्ध कराया जाय।

एक्शन प्वाइंट –

क्रम स0	समय रेखा	गतिविधियां	जिम्मेदारी
1	मई 2018	राज्य स्तर के समर्थन के लिए लखनऊ में पीएमयू की स्थापना की जाएगी।	सी0एस0ई0
2	मई 2018	CSE, AAETI, NIMLI में FSM पर 03 दिनों का प्रशिक्षण	सी0एस0ई0 (नगर विकास विभाग द्वारा नामित अधिकारी)
3	जून 2018	AAETI में सी0एस0पी0 की रिव्यू मीटिंग	सी0एस0ई0 (नगर विकास विभाग द्वारा नामित अधिकारी)

4	मई 2018	बिजनौर का सी0एस0पी0 मॉडल	सी0एस0ई0 (बिजनौर नगर पालिका परिषद के साथ मिलकर)
5	जून 2018	चुनार की FSTP डी0पी0आर0 और बिजनौर की DWWTs	सी0एस0ई0 (बिजनौर और चुनार नगर पालिका परिषद के साथ मिलकर)
6	मई 2018	FSTP/DWWTs के मॉडल प्रोजेक्ट हेतु भूमि का चिन्हिकरण निकायों द्वारा किया जायेगा व उसे बोर्ड में प्रस्तुत किया जायेगा।	चुनार, रामनगर , बिजनौर व गंगाघाट की निकायों द्वारा किया जायेगा।
7	अगस्त 2018	ड्राफ्ट सी0एस0पी0 तैयार कर साझा किया जायेगा।	चुनार, रामनगर , बिजनौर व गंगाघाट की निकायों द्वारा किया जायेगा।

उपर्युक्तानुसार हुए विचार–विमर्श के पश्चात् बैठक सधन्यवाद सम्पन्न हुई।

(विशाल भारद्वाज)
अपर निदेशक

नगरीय निकाय निदेशालय, उ0प्र0
8वॉ तल इन्दिरा भवन, लखनऊ।

संख्याः पी0एम0यू0/ 711 /431/2017–18 दिनांकः 03 मई, 2018

पृ. सं. एवं दिनांक उक्तवत।

प्रतिलिपिः–

1. प्रमुख सचिव, नगर विकास विभाग, उ0प्र0 शासन, लखनऊ।
2. समस्त सम्बन्धित अधिशासी अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(विशाल भारद्वाज)
अपर निदेशक